- व्याकरण -

समास

परिभाषा :- दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से जो नया शब्द बनता है, उसे समस्त पद कहते हैं। इस मेल की प्रक्रिया को समास कहते हैं। समास होने पर बीच की विभक्तियों, शब्दों तथा 'और' आदि अव्ययों का लोप हो जाता है। जैसे — गंगा का जल का समस्त हुआ गंगाजल।

समास होने पर गंगा और जल मिलकर एक पद बन गए। बीच की विभक्ति 'का' का लोप हो गया।

समास की विशेषताएँ :-

1. समास में दो पदों का योग होता है।
2. दो पद मिलकर एक पद का रूप धारण कर लेते हैं।
3. दो पदों के बीच की विभक्ति का लोप हो जाता है।
4. दो पदों में कभी पहला पद प्रधान और कभी दूसरा पद प्रधान होता है। कभी दोनों पद प्रधान होते हैं।
5. संस्कृत में समास होने पर संधि अवश्य होती है, किंतु हिंदी में ऐसी विधि नहीं है।

समास के भेद :-

समास के चार प्रमुख भेद हैं —

1. अव्ययीभाव
2. तत्पुरुष, कर्मधारय, द्विगु
3. बहुव्रीहि समास
4. द्वंद्व समास

① अव्ययीभाव समास

जिस शब्द का पहला शब्द अव्यय हो उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। इसका पहला

पद या पूर्व पद प्रधान होता है। इसके आरम्भ में अव्यय होने के कारण ही उसे अव्ययी भाव कहते हैं। पूर्व पद के अव्यय होने से समस्त पद भी अव्यय हो जाता है। जैसे -

समस्तपद (समास)	विग्रह
गली गली	प्रत्येक गली
आजन्म	जन्म से लेकर
आसमुद्र	समुद्र तक
गली - गली	प्रत्येक गली
हरघड़ी	प्रत्येक घड़ी/हर-घड़ी
यथासमय	समय के अनुसार
निःसंदेह	संदेह रहित
दिनोंदिन	दिन ही दिन में
यथामति	मति के अनुसार
निडर	डर रहित
भरपेट	पेट भर के
निर्दय	दया रहित
आमरण	मरण तक
आजीवन	जीवन-पर्यन्त / जीवन भर

(2) क - तत्पुरुष समास

जिस समास में उत्तर पद प्रधान तथा पूर्व पद गौण होता है उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। समास होने पर विभक्ति का लोप हो जाता है। कारक तथा अन्य आधार पर तत्पुरुष समास के निम्न लिखित भेद होते हैं-

① कर्म तत्पुरुष :- जहाँ पूर्वपद में कर्मकारक की विभक्ति अर्थात (को) का लोप हो, वहाँ कर्म तत्पुरुष होता है।

Scanned by CamScanner

उदाहरण -

समस्त पद	विग्रह
स्वर्ग प्राप्त	स्वर्ग को प्राप्त
आज्ञातीत	आज्ञा को लांघकर गया हुआ
मरणासन्न	मरण को पहुँचा
परलोकगमन	परलोक को गमन
ग्रामगत	ग्राम को गत

② करण तत्पुरुष — जहां पूर्वपक्ष में करण कारक की विभक्ति का अर्थात (द्वारा या से) का लोप हो, वहाँ 'करण तत्पुरुष' होता है।

उदाहरण -

समस्तपद	विग्रह
तुलसीकृत	तुलसी द्वारा कृत
भूखमरा	भूख से मरा हुआ
रेखांकित	रेखा से अंकित
मनगढ़ंत	मन से गढ़ा
हस्तलिखित	हाथ से लिखा हुआ
रोगमुक्त	रोग से मुक्त
स्वरचित	अपने द्वारा रचित
मदमाता	मद से मस्त

③ संप्रदान तत्पुरुष — जहाँ समास में पूर्वपक्ष में संप्रदान की विभक्ति के लिए का लोप होता है, वहाँ 'संप्रदान तत्पुरुष' होता है।

उदाहरण

समस्तपद	विग्रह
युद्धभूमि	युद्ध के लिए भूमि
देवबलि	देवताओं के लिए बलि
हथघड़ी	हाथ के लिए घड़ी
सत्याग्रह	सत्य के लिए आग्रह

Scanned by CamScanner

समस्त पद	विग्रह
गुरुदक्षिणा	गुरु के लिए दक्षिणा
डाक गाड़ी	डाक के लिए गाड़ी

④ अपादान तत्पुरुष जहाँ अपादान कारक की विभक्ति (से) का लोप हो, वहाँ 'अपादान तत्पुरुष' समास होता है।

उदाहरण

समस्तपद	विग्रह
भयभीत	भय से भीत
पथभ्रष्ट	पथ से भ्रष्ट
आज्ञातीत	आज्ञा से अतीत
जन्मांध	जन्म से अंधा
ऋणमुक्त	ऋण से मुक्त
धनहीन	धन से हीन

⑤ संबंध तत्पुरुष :- जहाँ संबंध कारक की विभक्ति (का,की,के) का लोप हो वहाँ 'संबंध तत्पुरुष' होता है।

उदाहरण :-

समस्त पद	विग्रह
पराधीन	पर के अधीन
प्रजापति	प्रजा का पति
घुड़दौड़	घोड़ों की दौड़
लोकसभा	लोक की सभा
राजपुरुष	राजा का पुरुष
सेनानायक	सेना का नायक
आज्ञानुसार	आज्ञा के अनुसार
लक्षपति	लाखों (रुपयों) का पति
जल प्रवाह	जल का प्रवाह

P.T.O

Scanned by CamScanner

(6) अधिकरण तत्पुरुष :- जहां अधिकरण कारक की विभक्ति (में, पर) का लोप होता है।

उदाहरण :-

समस्त पद	विग्रह
स्नेहमग्न	स्नेह में मग्न
घुड़सवार	घोड़े पर सवार
पुरुषोत्तम	पुरुषों में उत्तम
व्यवहार-कुशल	व्यवहार में निपुण
आपबीती	आप पर बीती हुई
कुलश्रेष्ठ	कुल में श्रेष्ठ

Scanned by CamScanner